# हिमालय के विकास में विज्ञान की भूमिका

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के छात्र हिमालयन पर्यावरण अध्ययन और संरक्षण संगठन (हेस्को) के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण पर शोध करेंगे। इसको लेकर दोनों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यूटीयू में आयोजित कार्यक्रम में हेस्को के संस्थापक प्रख्यात पर्यावरणविद पद्मभूषण डा. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि हिमालय के विकास में विज्ञान एवं तकनीकी की सबसे बड़ी भूमिका है। इसलिए ऐसे समझौते का भी महत्व बढ़ जाता है। हिमालय में विकास की शैली और तकनीक अपने आप में महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें सबसे बड़ा हिस्सा उन तमाम अन्य संवेदनशील परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है, जो हिमालय के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती चाहे वह किसी भी तरह के कार्यों या विकास से जुड़ी हो जैसे-निर्माण कार्य, संरक्षण, जल-वन, औषधि इन सब

हेस्को के संस्थापक पर्यावरणविद पदमभूषण डा .अनिल प्रकाश जोशी व वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) के कुलपति प्रो .ओंकार सिंह एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान • साभार विवि

में कहीं न कहीं हमारी विज्ञान व प्रौद्योगिकी के योगदान की शैली हिमालय के लिए अलग-थलग सी हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए यूटीयू और हेस्को ने आने वाले समय में सामूहिक रूप से शोध व विकास के उद्देश्य से एमओयू पर हस्ताक्षर किया है। इसके अनुसार दोनों संस्थान हिमालय के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा, वैज्ञानिक व तकनीकी विकास, शोध में भागीदारी करेंगे। यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि हेस्को के साथ हुए इस एमओयू का उद्देश्य तकनीकी विश्वविद्यालय राज्य में तकनीकी शिक्षा के विकास और उन्नति व उससे संबंधित मामलों के दृष्टिगत प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर अपने छात्रों और पेशेवरों के सीखने व कौशल के बीच के अंतर को पाटना है।